# क्रिप्स मिशन का भारत आगमन - एवं क्रिप्स प्रस्ताव (1942 ई॰)

①

⇒ मई 1940 मे इंग्लैण्ड मे आम चुनाव
→ चैम्बरलिन की सरकार की पराजय
→ कंजरवेटिव पार्टी के विंस्टन चार्चिल ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना।

## अटलांटिक चार्टर की घोषणा -

12 अगस्त 1941 ई॰ को ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा
" प्रत्येक देश की जनता को यह अधिकार होगा कि इस बात का निर्णय ले सके कि उसके देश की सरकार कैसी हो।

* → चर्चिल ने तुरंत इस बात की भी घोषणा कर दी यह भारत पर लागू नही होगा।

## क्रिप्स मिशन भेजे जाने का कारण :-

जापान की लगातार बढ़ती हुई शक्ति के कारण अर्न्तराष्ट्रीय समुदाय ने ब्रिटेन पर भारत को स्वतन्त्र करने का दबाव डाला
परिणाम स्वरूप - 11 मार्च 1942 को क्रिप्स मिशन की घोषणा
23 मार्च 1942 को क्रिप्स मिशन भारत पहुँचा

मिशन से वार्तालाप के दौरान -

कांग्रेस - मौलाना अबुल कलाम आजाद (मुख्य प्रवक्ता)
पं॰ जवाहरलाल नेहरू (सहयोगी)
हिन्दू महासभा - वी॰डी॰ सावरकर
उदारवादी — टी॰बी॰ सप्रू
लीग — मुहम्मद अली जिन्ना
सिक्ख — बलदेव सिंह
दलित — भीमराव अम्बेडकर

भारत की विभिन्न शक्तियों से बात करने के पश्चात 30 मार्च 1942 को अपना प्रस्ताव रखा जिसमे मुख्य बाते निम्न थी-

KD Job Updates

## मुख्य बातें:-

→ भारत का दर्जा डोमेनियन स्टेट का होगा जो अपने आन्तरिक एवं वाह्य मामलों मे पूरी तरह से स्वतन्त्र होगा।

→ एक संविधान सभा का गठन किया जाएगा। जिसमे ब्रिटिश प्रान्तों के चुने हुए प्रतिनिधि एवं देशी रियासतों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

⇒ अगस्त प्रस्ताव की तुलना मे यह बेहतर था क्योंकि इसमे ऐच्छिक रूप से भारत को राष्ट्रमंडल से अलग होने का अधिकार था।

⇒ कांग्रेस और मुस्लिमलीग दोनों ने इसे अस्वीकार कर दिया।

~~[illegible]~~

जवाहरलाल नेहरू- दिवालिया होनेवाले बैंक

गांधी जी - उत्तर दिनांकित चेक

पट्टाभि सीतारमैया- अगस्त प्रस्ताव का परिवर्द्धित संस्करण मात्र

⇒ लार्ड लिनलिथगो- गांधी जी के आन्दोलनों को राजनैतिक फिरौती कहा था

KD Job Updates

## भारत छोड़ो आन्दोलन :- तत्कालीन वायसराय ⑤
'लार्ड लिन लिथगो'

**कारण-**
- क्रिप्स मिशन की असफलता
- जापानी सेनाओं का भारत तक पहुंचना
- गाँधी जी के परिवर्तित विचार
- बढ़ी हुई कीमतें
- भारतीय सैनिकों का भारत के बाहर युद्धों मे प्रयोग करना

**वर्धा प्रस्ताव** - (14 जुलाई 1942 ई०)

वर्धा मे (7-14 जुलाई) को कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक
 - भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव (वर्धा प्रस्ताव)

7 अगस्त 1942 ई० को बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान से "अबुल कलाम की अध्यक्षता" मे यह प्रस्ताव पारित। अरुणा आसफ अली ने झण्डा फहराया था।

⇒ गाँधी जी ने अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर से कहा था -
"यदि कांग्रेस साथ नहीं देती है तो मै देश की बालू से ही कांग्रेस से बड़ा आन्दोलन खड़ा कर दूंगा"।

⇒ 7 अगस्त 1942 ई० को पारित प्रस्ताव 8 अगस्त 1942 को सर्वसम्मति से पारित। सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ने विरोध किया।

⇒ गाँधी जी ने 70 मिनट के भाषण मे कहा - "या तो भारतीय स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या मर मिटेंगे"।
तथा 'करो या मरो' का नारा दिया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल ने इस आंदोलन का समर्थन किया

पट्टाभि सीतारमैया - गाँधी जी के ऊपर किसी पैगंबरीय शक्ति का अवतरण हुआ था।

**ब्रिटिश सरकार का दमन चक्र:-**

"9 अगस्त 1942 ई० को 'आपरेशन जीरो आवर' के तहत कांग्रेस के सभी महत्वपूर्ण नेता गिरफ्तार।

गाँधी जी - आगा खां पैलेस (पुणे)
साथ मे
↓
सरोजनी नायडू
कस्तूरबा गाँधी

⇒ जवाहर लाल नेहरू तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद के साथ कार्यकारिणी सदस्यों को अहमदनगर दुर्ग मे।

KD Job Updates

⇒ बाद में - जवाहर लाल नेहरू - अल्मोड़ा जेल
मौलाना आजाद - बांकुड़ा जेल

→ राजेन्द्र प्रसाद को पटना के बांकीपुर जेल में नजरबंद किया गया।

⇒ 9 नवंबर को जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग कर "केन्द्रीय संग्राम समिति" की स्थापना।

रेडियो स्टेशन की स्थापना :-

प्रमुख रूप से बंबई और नासिक से संचालित

रेडियो प्रसारण का कार्य - सर्वप्रथम - 14 अगस्त
↓
"उषा मेहता"

"राम मनोहर लोहिया" नियमित रूप से बोलते थे।

कार्यक्रम - वायस आफ फ्रीडम
बुलेटिन - इ आर डाई बुलेटिन

समानांतर सरकार की स्थापना :-

सर्वप्रथम - बलिया तथा गाजीपुर - चित्तू पांडेय

सतारा - वाई० बी० चौहान
(सर्वाधिक दीर्घजीवी)

→ इसके अलावा बंगाल के मिदनापुर जिले में ताम्लुक नामक स्थान पर

→ उड़ीसा में तलचर नामक स्थान पर

आन्दोलन की विशेषताएं :-

→ नेतृत्व विहीन होना

→ गाँधी जी के आह्वान अहिंसक रहने के बावजूद हिंसक रहा

→ प्रारम्भ में शहरी इलाकों में प्रचारित था बाद में ग्रामीण इलाकों में इसका प्रसार हुआ।

KD Job Updates

## आन्दोलन के प्रति विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रिया:

(5)

- श्रमिक वर्ग ने आद्योगिक केन्द्रों मे हड़ताले की
- मुस्लिम लीग ने ब्रिटिश सरकार का सहयोग किया।
- हिन्दू महासभा ने आन्दोलन मे भाग नही लिया।
- तेजबहादुर सप्रू (उदारवादी) ने कहा गाँधी जी को राजनीति से अलग हो जाना चाहिए।
- अम्बेडकर ने इस आंदोलन को "अनुत्तरदायित्वपूर्ण और पागलपन भरा" कहा।
- पारसी इस आन्दोलन के पक्ष मे थे।
- साम्यवादियों ने इस आंदोलन की आलोचना की।

⇒ नेतृत्व विहीन होने के बावजूद भी जिस वर्ग का प्रभाव ज्यादा महत्वपूर्ण रहा वे 'समाजवादी' थे।

## आंदोलन की असफलता के कारण :-

- एकाएक नेतृत्व विहीन हो जाना
- सभी दलों का समर्थन प्राप्त न होना
- ब्रिटिश सरकार द्वारा दमन
- आंदोलन का हिंसक हो जाना।

⇒ इस आंदोलन के दौरान सी॰ राजगोपालाचारी ने (द वे आउट) नामक पम्पलेट जारी किया जो कि सांविधिक गतिरोध का हल था।

KD Job Updates

## वेवेल योजना (14 जून 1945 ई०)-

1943 ई० में लार्ड लिनलिथगो के स्थान पर लार्ड बिस्काउट वेवेल भारत के वायसराय बने।

* उन्होंने 14 जून 1945 ई० को एक योजना (वेवेल योजना) की घोषणा की।

मुख्य बातें -

→ ब्रिटिश सरकार की भारत में लक्ष्य उसे स्वशासन की ओर ले जाना था।

→ वायसराय कार्यकारिणी में प्रधान सेनापति को छोड़कर शेष सारे सदस्य भारतीय होंगे। जिसमें हिन्दू और मुसलमान समान संख्या में होंगें।

→ परिषद युद्ध संचालन तथा प्रशासन के संचालन के साथ-2 ऐसे उपायों पर विचार किया जाएगा जिससे कि संविधान निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सके।

## शिमला सम्मेलन (25 जून - 14 जुलाई 1945 ई०)

25 जून 1945 ई० को 21 राजनेताओं की उपस्थित में सम्मेलन का प्रारम्भ हुआ।

→ कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने भाग लिया।

→ हिन्दू महासभा को भाग लेने की अनुमति नहीं मिली।

→ गाँधी जी शिमला में होते हुए इस सम्मेलन में भाग नहीं लिया।

→ कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व - मौलाना अबुल कलाम आजाद

मुस्लिम लीग की शर्त - वायसराय कार्यकारिणी मंत्रिमुक्त होने वाले सदस्यों का चयन वह खुद करेगी।

कांग्रेस द्वारा जिन्ना के इस माँग को अस्वीकार कर दिया गया। अन्ततः 14 जुलाई 1945 ई० को सम्मेलन के विफलता की घोषणा करनी पड़ी।

KD Job Updates

# कैबिनेट मिशन का प्रस्ताव, संविधान सभा का चुनाव एवं अन्तरिम सरकार का गठन :-

→ मई 1945 में ब्रिटेन में आम चुनाव
→ 26 जुलाई 1945 ई० को लेबर दल की सरकार क्लीमेंट एटली के नेतृत्व में सत्ता में आई।
→ एमरी के स्थान पर पैथिक लारेन्स भारत का नया सचिव।
→ 19 फरवरी 1946 को "पैथिक लारेन्स" ने हाउस आफ लार्डस से घोषणा की भारत में संवैधानिक सुधारों के लिए कैबिनेट मिशन भेजा जाएगा।

तीन सदस्य – भारत सचिव - पैथिक लारेन्स ✓
व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष - स्टैफोर्ड क्रिप्स ✓
नौ सेना प्रमुख – ए०बी० अलेक्जेन्डर ✓

भारत के लिए त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था

24 मार्च 1946 ई० को दिल्ली पहुचा।
16 मई 1946 ई० को अपनी रिपोर्ट दी–

→ पाकिस्तान की माँग को पूर्णतः नकार दिया गया।
→ भारत को संघ राज्य बनाने की बात की गई।
→ संविधान सभा के गठन की बात की गई। जिसमे प्रान्तों का शामिल होना ऐच्छिक था।

⇒ यह भी प्रावधान था कि कोई भी प्रान्त अपने विधान मंडल द्वारा प्रस्ताव पारित करके 10 साल के बाद संविधान की धाराओं पर दुबारा विचार करने का प्रस्ताव दे सकते है।

संविधान सभा मे कुल सदस्य - 389

- 292 ब्रिटिश प्रान्त
- 93 देशी रियासत

→ प्रत्येक 10 लाख जनसंख्या पर संविधान सभा मे एक सदस्य होगा।
→ शीघ्र ही अन्तिमरम सरकार की घोषणा – 6 हिन्दू, 5 मुस्लिम + अन्य
→ यह भारत पर निर्भर करेगा कि वह राष्ट्रमंडल मे रहना चाहता है कि नहीं।

KD Job Updates

⇒ कांग्रेस की अस्वीकार्य → कमजोर संघ और प्रान्तो को ग्रुप बनाने जैसी बाते

मुस्लिम लीग की अस्वीकार्य → पाकिस्तान की माँग स्पष्टतः स्वीकार नही की गई थी। ②

⇒ महात्मा गाँधी पूरी तरह से कैबिनेट योजना के पक्ष मे थे।

## संविधान सभा का चुनाव :- (जुलाई 1946)

जुलाई 1946 ई० मे 210 स्थान

199 - कांग्रेस

2 - पंजाब यूनियन पार्टी

2 - दलित उद्धार संघ

मुस्लिम लीग - 73

पहली बैठक - 9 दिसम्बर - 1946

अध्यक्ष - डा० सच्चिदानंद सिन्हा

## सीधी कार्यवाही दिवस - (16 अगस्त 1946 ई०)

मुस्लिम लीग ने अन्तिरम सरकार के विरोध मे जिन्ना के नेतृत्व मे

→ भारत मे जबरदस्त साम्प्रदायिक दंगे हुए

→ बंगाल मे मुस्लिम लीग की सरकार थी

↓ मुख्यमंत्री - सुहरावर्दी

मौलाना आजाद - 16 अगस्त का दिन भारत के इतिहास मे काले अक्षरों मे लिखा जाने वाला दिन है।

---

माउण्ट बेटन ने गाँधी जी को वन मैन बाउण्ड्री की उपाधि प्रदान की।

KD Job Updates

## एटली की घोषणा, माउंटबेटन योजना एवं भारत की आजादी :-

(5)

लेबर पार्टी
### एटली की घोषणा -(20 फरवरी 1947 ई०)

20 फरवरी 1947 को हाउस आफ कामन्स से घोषणा -
30 जून 1948 तक ब्रिटिश सरकार भारत छोड़कर चली जाएगी।

⇒ 34 वें एवं अन्तिम ब्रिटिश गवर्नर जनरल लार्डमाउंटबेटन 24 मार्च 1947 ई० को भारत के वायसराय बने।

### माउंटबेटन का भारत आगमन :-

→ 22 मार्च 1947 ई० को माउन्टबेटन पालम हवाई अड्डे पर उतरा।
→ सहायतार्थ एक भारतीय वी०पी० मेनन (आई०सी०एस०) (ICS) को अपने साथ रखा।
→ 24 मार्च से 18 अप्रैल तक विभिन्न कांग्रेसी नेताओं से मुलाकात की

### जवाहर लाल नेहरु से मुलाकात :-

दो बातों पर सहमत -
1- रक्तपात से बचने के लिए जल्दी कोई निर्णय लेना जरुरी है।
2- भारत का विभाजन एक दुखद घटना होगी।

### गांधी जी से मुलाकात :-

31 मार्च 1947 ई० (प्रथम बार) को
सुझाव - भारत को बटवारे से बचाने के लिए जिन्ना (मुस्लिमलीग) की सरकार बनाने की अनुमति दे दी जाय।

### सरदार पटेल से मुलाकात :-

उस समय की परिस्थितयों से नाराज होकर यहां तक कह दिया जिन्ना चाहे न चाहे वे भारत का विभाजन चाहते हैं।

### मुहम्मद अली जिन्ना से मुलाकात :-

→ पूरी तरह से विभाजन के पक्ष मे था।
→ माउन्टबेटन ने जिन्ना के बारे मे कहा था, हे भगवान यह आदमी है या बर्फ की चट्टान सारे मुलाकाते तो उसे पिघलाने मे ही बीत गई।

KD Job Updates

## एटली की घोषणा, माउंटबेटन योजना एवं भारत की आजादी :-

(5)

### एटली की घोषणा - (20 फरवरी 1947 ई०)

लेबर पार्टी

20 फरवरी 1947 को हाउस आफ कामन्स से घोषणा -
30 जून 1948 तक ब्रिटिश सरकार भारत छोड़कर चली जाएगी।

⇒ 34वें एवं अन्तिम ब्रिटिश गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन 24 मार्च 1947 ई० को भारत के वायसराय बने।

### माउंटबेटन का भारत आगमन :-

→ 22 मार्च 1947 को माउन्टबेटन पालम हवाई अड्डे पर उतरा।
→ सहायतार्थ एक भारतीय वी०पी० मेनन (आई०सी०एस०) (ICS) को अपने साथ रखा।

→ 24 मार्च से 15 अप्रैल तक विभिन्न कांग्रेसी नेताओं से मुलाकात की

### जवाहर लाल नेहरू से मुलाकात :-

दो बातों पर सहमत -
1- रक्तपात से बचने के लिए जल्दी कोई निर्णय लेना जरूरी है।
2- भारत का विभाजन एक दुखद घटना होगी।

### गाँधी जी से मुलाकात :-

31 मार्च 1947 ई० (प्रथम बार) को
सुझाव - भारत को बटवारे से बचाने के लिए जिन्ना (मुस्लिमलीग) की सरकार बनाने की अनुमति दे दी जाय।

### सरदार पटेल से मुलाकात :-

उस समय की परिस्थितयों से नाराज होकर यहाँ तक कह दिया जिन्ना चाहे न चाहे वे भारत का विभाजन चाहते हैं।

### मुहम्मद अली जिन्ना से मुलाकात :-

→ पूरी तरह से विभाजन के पक्ष मे था।
→ माउन्टबेटन ने जिन्ना के बारे मे कहा था, हे भगवान यह आदमी है या बर्फ की चट्टान सारे मुलाकाते तो उसे पिघलाने मे ही बीत गई।

KD Job Updates

⇒ नेहरू और पटेल के बाद सिक्खों के नेता बलदेव सिंह ने भी विभाजन के पक्ष मे अपनी सहमति दे दी। ⑤

⇒ "सबके स्वीकार कर लेने के बाद गाँधी जी ने अन्तत: विभाजन के पक्ष मे अपना समर्थन दे दिया।"

↱ भारतीय स्वतन्त्रता का आधार

## माउन्टबेटन योजना / मनबाटन योजना / तीन जून योजना :-

3 जून 1947 को भारत विभाजन योजना प्रस्तुत की -

→ भारत का विभाजन अनिवार्य है।

→ संविधान सभा द्वारा पारित संविधान भारत के उन भागों मे लागू नही होगा जो इसे मानने के तैयार न हो।

→ बंगाल और पंजाब इस बात पर निर्णय करेंगे कि उनको कहाँ रहना है।

→ । उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रान्त मे जनमत द्वारा यह पता लगाया जाय कि वह भारत के किस भाग मे रहना चाहता है।

→ भारतीय नरेशों के प्रति पुरानी नीति रहेगी।

⇒ 3 जून 1947 को ही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक मे स्वीकार कर लिया गया।

⇒ 14 जून 1947 ई० को गोविन्द वल्लभ पन्त ने प्रस्ताव पेश किया।

⇒ 18 जुलाई 1947 ई० को ब्रिटिश पार्लियामेन्ट मे भारत स्वतन्त्रता अधिनियम पारित किया गया।

आजादी के समय - कांग्रेस अध्यक्ष - जे० बी० कृपलानी

वायसराय - माउन्टबेटन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री - क्लीमेंट एटली

सम्राट - जार्ज षष्ठ

KD Job Updates

## सुभाष चन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर मुकदमा, शाही नौ-सेना का विद्रोह- ⑥

→ सुभाष चन्द्र बोस 1941 ई० में एक पठान जिआउद्दीन के वेश में कलकत्ता से पेशावर पहुँचे।

→ वहाँ से "आरलैंडो मेसट्टा" के नाम से जर्मनी पहुँचे और हिटलर से मिलकर मुक्ति सेना की स्थापना की। मुख्यालय- ड्रेसडन

→ जर्मनी की जनता ने उन्हें नेताजी पुकारा।

→ 28 मार्च को रास बिहारी बोस ने बर्मा से मलाया तक रहने वाले भारतीयों को बुलाया और जून 1942 को इण्डियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की।

→ आजाद हिन्द फौज – (1942 ई०) तत्कालीन तत्कालीन-मलाया में
गठन का विचार - कैप्टन मोहन सिंह (प्रथम सेनापति)
महिलाओं का रेजीमेन्ट – रानी झाँसी का रेजीमेन्ट, सुभाषचन्द्र बोस

## सिंगापुर में अस्थाई सरकार की स्थापना :-

21 अक्टूबर 1943 ई० को सिंगापुर के कैथे सिनेमा हाल में अस्थाई सरकार की स्थापना।
यहीं से दो प्रसिद्ध नारा – दिल्ली चलो ✓
तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा-

→ नवंबर 1943 में जापान ने अण्डमान निकोबार द्वीप अस्थाई सरकार को सौंप दिया। नेताजी ने इसका नाम,
अण्डमान - शहीद द्वीप
निकोबार - स्वराज्य द्वीप

## आपरेशन 'यू' का प्रारंभ :-

21 जनवरी 1944 को तोजो की घोषणा-अभियान प्रारम्भ

→ भारत पर आक्रमण के अभियान को आपरेशन यू का नाम दिया गया।

→ 1944 (फरवरी) अराकान के मोर्चे पर पहली विजय

⇒ 18 मार्च 1944 ई० को आई० एन० ए० ने भारत की पावन भूमि पर कदम रखा।

KD Job Updates

## रंगून रेडियो से गाँधी जी को संबोधित नेता जी का भाषण -

6 जुलाई - 1944 ई०

गाँधी जी को राष्ट्रपिता के नाम से

" भारत की स्वाधीनता के पावन युद्ध मे आपका आशीर्वाद एवं शुभ कामनाएं चाहते है।

जापान की सरकार ने नेता जी को -
(Value of first unit of Rising Sun)
देने का प्रस्ताव दिया।

## आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर मुकदमा - (1945 ई०)

- जनरल शाहनवाज
- कर्नल गुरुदयाल ढिल्लो
- कर्नल सहगल

} सैनिक

भूला भाई देसाई के नेतृत्व मे -

वकील -
- टी० बी० सप्रू
- आसफ अली
- कैलाश नाथ काटजू
- जवाहर लाल नेहरू

वायसराय वेवेल ने अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए इन्हे छोड़ दिया।

आजाद हिन्द फौज के सैनिक राशिद अली को 7 वर्ष का कारावास का दंड दिया गया।

KD Job Updates